प्रश्न- भारत द्वारा अपनी आतंरिक व सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा के लिये किये गये विभिन्न समझौतों को स्पष्ट करते हुए इनके सामरिक महत्व को दर्शाएं। (200 शब्द)

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

- आतंरिक व सीमावर्ती सुरक्षा के महत्व को बताते हुये इसके लिये किये गये विभिन्न समझौतों यथा, लेमोआ, बिम्स्टेक तथा प्रोजेक्ट मौसम समझौते की संक्षिप्त चर्चा करें।

विषय वस्तु में निम्न तथ्यों पर चर्चा की जा सकती है-

आंतरिक सुरक्षा को खतरे के कारणों को स्पष्ट करें, जैसे-जातीय हिंसा, दंगा, भ्रष्टाचार, धार्मिक हिंसा को प्रोत्साहित करने वाली बाहरी ताकतों जिसमें विभिन्न गैर-सरकरी संगठन जो विदेशी धन से संचालित होते हैं तथा अन्य कारक जैसे जम्मू-कश्मीर में पाक प्रायोजित आतंकवाद, बांग्लादेश से अवैध प्रवसन (आजकल विभिन्न देशों की विदेश नीति में पड़ोसी देशों के आंतरिक ज्वलंत मुद्दों को भड़काना अहम हो गया है) को रोकने के लिये पाकिस्तान के साथ वार्ता, बांग्लादेश के साथ तीन बीघा गलियारा समझौता, चकमा शरणार्थी समस्या तथा बिम्स्टेक देशों के साथ किये गये समझौते की संक्षिप्त चर्चा करते हुये सीमावर्ती मुद्दे पर आ जायें।

⇨ **नये पैरा को पिछले पैरा से लिंक करते हुये सीमावर्ती सुरक्षा के मुद्दों पर किये गये समझौतों यथा-**

- अमेरिका के साथ लेमोआ समझौता।
- फ्रांस के साथ राफेल विमान समझौता।
- हिन्द महासागरीय तटीय देशों के साथ किया गया प्रोजेक्ट मौसम समझौता, को बतायें।
- भारत ईरान के मध्य चाबहार पोर्ट समझौता।

⇨ **समझौतों के सामरिक महत्व को स्पष्ट करें।**

अंत में संक्षिप्त, संतुलित व सारगर्भित निष्कर्ष लिखें।

नोट:- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते है।